Sl.No.	Name of the Member of Parliament	Representation regarding
19	Shri Shankar Singh Vaghola	
20	Shri Udya Singhrao Gaikward	
21	Shri P.R. Kumaramangalam	
22	Dr. (Smt.) Sarojini Mahishi	
23	Shri Chandra Sekhar Murthy	
24	Shri Asutosh Law	
25	Shri Uttam Rathod	

Prices of Formulations

2625. SHRIMATI RATAN KUMARI: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 2271 given in the Rajya Sabha on the 30th November, 1987 and state:

(a) whether it is a fact that Government have not reduced the prices of formulations and combination of certain drugs of catgory-I so far;

(b) whether it is also a fact that Government have not reduced the prices of those strengths of medicines and combinations which were not notified under DPCO, 1979;

(c) whether it is also a fact that those medicines are being sold at very high prices; and

(d) if so, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI J. VENGAL RAO): (a) and (b) Prices of all Category-I formulations where mark-up allowed under DPCO, 1979 was more than 75 per cent have already been reduced.

(c) and (d) Do not arise.

Utilising Hot springs for generating Power for Commercial purposes

2626. SHRI SAGAR RAYKA:
SHRI RAMSINGBHAI PATALIYABHAI RATHVA-KOLI:

Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether any survey has been made to utilise hot springs for generation of energy to be used for commercial purposes;

(b) if so, what are the details thereof; and

(c) whether there is any possibility for such utilisation of hot springs in Saurashtra and Kutch regions of Gujarat?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF POWER IN THE MINISTRY OF ENERGY (SHRIMATI SUSHILA ROHATGI): (a) to (c) A Committee set up by the Government to examine the possibility of developing hot springs as a source of power generation and for other purposes, in its report submitted in 1968, expressed the view that the available information on the Indian Geothermal fields supported the prospects of their small scale utilisation. The Committee came to the conclusion that the Puga Springs in Ladakh District of J&K and the Manikaran Springs in the Kullu District of Himachal Pradesh encompassed the two most prospective geo-

thermal fields which merited exploration. Investigations in Parbati Valley were completed in March, 1984 but the maximum temperature obtained in the exploratory bore holes was not considered favourable for large scale power generation on commercial basis. The Central Electricity Authority has taken up a project for assessment of the Geothermal potential in Puga Valley for power generation. There is, at present, no proposal for taking up any project for exploitation of Hot Springs for generation of Energy at any other site.

पूर्वी दिल्ली के उपभोक्ताओं को तरलीकृत पेट्रोलियम गैस के कनेक्शन

2627. **श्री सुनील कुमार पट्टनायक :** क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पूर्वी दिल्ली के उन उपभोक्ताओं को अभी तक भी तरलीकृत पेट्रोलियम गैस के कनेक्शन प्रदान नहीं किये गये हैं जिन्होंने इन कनेक्शनों के लिए 1982, 1983 और 1984 की अवधि के दौरान एल०पी०जी० के वितरकों के पास अपने नाम पंजीकृत करा दिये थे जब कि दिल्ली की कच्ची बस्तियों के उपभोक्ताओं द्वारा इस अवधि के दौरान दिए गये ऐसे आवेदनों पर गैस कनेक्शन प्रदान कर दिये गए हैं;

(ख) यदि उपर्युक्त भाग (क) का उत्तर हां हो, तो उसके क्या कारण है और क्या सरकार इस असमानता को दूर करने का विचार रखती है ; यदि हां तो इस संबंध में उठाये जाने वाले कदमों का ब्योरा क्या है ; और

(ग) उपर्युक्त भाग (क) में उल्लिखित कनेक्शन कब तक प्रदान कर दिये जाने की संभावना है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में उपमंत्री (श्री रफीक आलम) : (क) और (ख) प्रत्येक क्षेत्र में गैस के नये कनेक्शन प्रतीक्षा सूची में वरिष्टता के अनुसार दिये जाते हैं । नये कनेक्शनों के लिए वरीयता का निर्वाह किया जाना संभव नहीं है क्योंकि वर्तमान डीलरों के पास उपलब्ध कार्यों की मात्रा हरेक क्षेत्र में चालू होने वाली नई डीलरशिपों के लिए लगने वाले समय और हरेक क्षेत्र के लिए तैयार की गई प्रतीक्षा सूची के कार्यक्रम में अन्तर होता है ।

(ग) तेल उद्योग दिल्ली सहित संपूर्ण देश में, एल.पी.जी. के नये कनेक्शन अपने वार्षिक उपभोक्ता नामांकन कार्यक्रम के अंतर्गत एल०पी०जी० की उपलब्धता और भरण क्षमता में होने वाली वृद्धि के अनुसार चरणबद्ध रूप में देता है ।

इंडियन आयल कारपोरेशन के तरलीकृत पेट्रोलियम के वितरकों को प्राप्त हुए ट्रांसफर वाउचर

2628. **श्री सुनील कुमार पट्टनायक :** क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान दिल्ली में इंडियन आयल कारपोरेशन के तरलीकृत पेट्रोलियम गैस के वितरकों को कितने जाली अन्तरण (ट्रांसफर) वाउचर प्राप्त हुए ;

(ख) उपर्युक्त भाग (क) में संदर्भित वितरकों और उपभोक्ताओं के नाम और पते क्या हैं ; और

(ग) इस चलन को रोकने तथा दोषी व्यक्तियों को दंडित करने के लिए इंडियन आयल कारपोरेशन द्वारा क्या कार्यवाही की गई है अथवा किये जाने का विचार है ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में उपमंत्री (श्री रफीक आलम) : (क) और (ख) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी ;

(ग) निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कनेक्शन देने के बाद वितरक को टी बी की प्रामाणिकता की पुष्टि उसे जारी करने वाले वितरक से करानी होती है । यदि टी बी प्रामाणिकता नहीं पायी जाती है तो तत्काल सप्लाई बन्द कर दी जाती है और उपकरण प्राप्त करने के प्रयास किए जाते हैं ?